52 करोड़ रुपये की संपति प्रवर्तन निदेशालय ने कुर्क की है। यह संपति राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में स्थित विकास डब्ल्यूएसपी लिमिटेड की है। यह कार्यवाई बैंक धोखाधड़ी मामले में की गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 14 नवंबर 2019

सिर्फ 30 रुपये में वादी की खूबसूरती का दीदार

जम्मू, राहुल शर्मा

- बनिहाल-बारामुला रेल सेवा फिर से बनने लगी पर्यटकों की पसंद
- कश्मीर के सेब के बागानों और बर्फ से लदी पहाड़ियों से गुजरती है यह ट्रेन
- इस ट्रेन के जरिये 135 किलोमीटर का सफर तीन घंटे में होता है तय

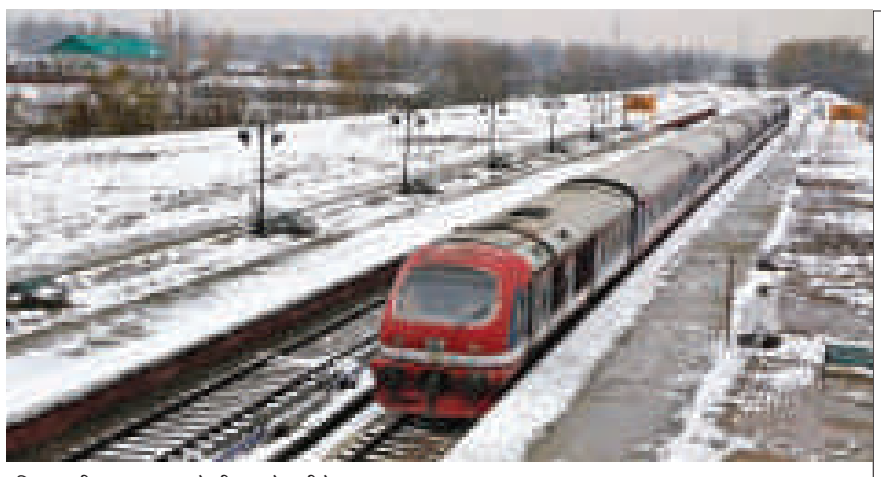

बनिहाल-श्रीनगर-बारामुला के बीच चलने वाली ट्रेन। जागरण

हर तरफ बर्फ की चादर और कदम-कदम पर बरसता कुदरत का नूर। कश्मीर घाटी में ज्यों-ज्यों हालात सामान्य हो रहे हैं, प्रकृति के इन शानदार को अपनी यादों में समेटने के लिए पर्यटक लालायित हो रहे हैं। बर्फ की बारिश के बीच जब जिंदगी जमने लगती है तो वादी में जिंदगी ट्रैक पर दौड़ती रहती है। बनिहाल से बारामुला के बीच चलने वाली कश्मीरियों व पर्यटकों की लाइफलाइन डेमू इन तमाम खूबसूरत नजारों की सैर कराते हुए जाती है, वह भी मात्र 30 रुपये में। राज्य के पुनर्गठन के फैसले के करीब 100 दिन बाद श्रीनगर व बारामुला के बीच यह रेलसेवा बहाल हो चुकी है। बनिहाल से श्रीनगर के बीच यह सेवा अगले कुछ दिन में शुरू हो जाएगी।

जम्मू संभाग के बनिहाल से उत्तरी कश्मीर के बारामुला तक करीब 135 किलोमीटर का जादुई सफर तीन घंटे में तय होता है। यह ट्रेन रेल और बर्फ से ढके पहाड़, सेब, बादाम के बागानों और गुफाओं के बीच से गुजरती हुई बारामुला तक फेरे लगाती है। बर्फबारी के बीच रेल यात्रा करने वाले पर्यटक इस यात्रा की तुलना यूरोप और रूस से भी कर चुके हैं। केंद्र सरकार व रेलवे भी पर्यटकों के लिए इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए सुविधाओं में इजाफा करने की तैयारी कर रही है। गुजरात से आए पर्यटक ने कहा कि श्रीनगर से बारामुला की यात्रा यादगार रही। ठंड अधिक है। बस ट्रेन में कुछ विशेष बोगी भी अटैच की जानी चाहिए ताकि पर्यटक इस मौसम का सही से आनंद ले सकें।

दिन में 11 फेरे लगाती है यह ट्रेन : बनिहाल से सबसे पहली ट्रेन सुबह 6.15 बजे के करीब निकलती है और बारामुला तक इसका किराया मात्र 30 रुपये है। यह ट्रेन 13 स्टेशन पर रुकती है। यही नहीं इस रूट का सबसे बड़ा आकर्षण 11.2 किलोमीटर लंबी टनल भी है। ट्रेन से सफर करीब तीन घंटे में पूरा होता है जबकि सड़क मार्ग से यह फासला पांच घंटे में पूरा किया जा सकता है।

ट्रैक पर जल्द दौड़ेगी विस्टाडोम

इस ट्रैक में पर्यटक कश्मीर की वादियों का दीदार जल्द ही विस्टाडोम (पारदर्शी बोगी) में कर सकेंगे। विस्टाडोम का ट्रायल भी हो चुका है लेकिन पूर्व में सुरक्षा चिंताओं के कारण यह आरंभ नहीं हो पाई। रेलवे के डीआरएम राजेश अग्रवाल के अनुसार इसमें पारदर्शी खिडकियां और छत होगी और पर्यटक और भी करीब से वादी की खूबसूरती का दीदार कर सकेंगे। बस तमाम औपचारिकताएं पूरा करने का इंतजार है। इस ट्रेन में हीटिंग सिस्टम भी होगा। चेयर कार वाली इस ट्रेन में पैंट्री कार की सुविधा भी होगी। हां, पर्यटकों को इसका किराया कुछ अधिक चुकाना होगा।

अगले वर्ष देश से जुड़ जाएगी कश्मीर घाटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय रेलवे के अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं कि कश्मीर घाटी को रेल ट्रैक के जोड़ने के प्रोजेक्ट को अगले साल पूरा कर लिया जाए। जम्मू से कश्मीर तक का सफर भी प्राकृतिक नजारों की सैर कराएगा। साथ ही पर्यटकों को इंजीनियरिंग की बेमिसाल तकनीक को भी करीब से देखने का मौका मिलेगा।

कन्याकुमारी से कश्मीर सिंगल टिकट सेवा का इंतजार

रेलवे ने 2015-16 में कन्याकुमारी से कश्मीर सिंगल टिकट सेवा शुरू करने की योजना बनाई थी पर राज्य परिवहन और तत्कालीन राज्य सरकार के रुख के कारण सिरे नहीं चढ़ पाई। इसके तहत ऊधमपुर तक पर्यटक ट्रेन से पहुंचते और वहां से राज्य परिवहन की विशेष बसों में बनिहाल तक ले जाया जाता। बनिहाल से फिर वह ट्रेन में कश्मीर की वादियों का आनंद लेते। तब की सरकार ने इस पर खास उत्साह नहीं दिखाया और मामला सिरे नहीं चढ़ पाया। टूर ऑपरेटरों को उम्मीद है ऊधमपुर-बनिहाल रेल प्रोजेक्ट पूरा होने तक केंद्र इस योजना को आगे लांच कर सकती है ताकि वादी में पर्यटकों की आमद बढ़ सके।

किश्तवाड़ में यात्री वाहन खाई में गिरा चार मरे, पांच घायल

जासं, किश्तवाड़ : जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के खिलैनी में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में 16 लोगों की मौत के अगले दिन किश्तवाड़ जिले के पलमार इलाके में भी एक यात्री वाहन करीब 250 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए। हादसे के शिकार लोग स्थानीय हैं।

पुलिस के मुताबिक, किश्तवाड़ के पलमार से इक्को यात्री वाहन नंबर जेके17-6479 सरथल के लिए निकला। सरथल मंदिर मोड़ के पास चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन गहरी खाई में जा गिरा। चार लोगों की मौके पर मौत हो चुकी थी और पांच अन्य घायल पड़े थे। हादसे का पता चलते ही किश्तवाड़ से भी पुलिस व प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। सबसे पहले घायलों को खाई से निकालकर किश्तवाड़ जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में तीन को जीएमसी रेफर किया गया। बता दें कि किश्तवाड़ में दो माह में यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। हाल ही में इस इलाके में क्रूजर वाहन भी हादसे का शिकार हुआ था, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई थी।

त्राल में हताश आतंकियों ने दुकानदार को मारी गोली

कार्रवाई ▶ हमलावर आतंकियों की तलाश में व्यापक अभियान जारी

आतंकवादियों के फरमान को नकारते हुए दुकानें खोल रहे व्यापारी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में बंद के फरमान को पूरी तरह नकारे जाने से हताश आतंकियों ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर के त्राल में एक दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, स्वचालित हथियारों से लैस आतंकियों का एक दल बुधवार दोपहर त्राल बाजार में आया। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने वहां खुली दुकानों को बंद करने का फरमान सुनाया और एक दुकानदार को नजदीक से गोली मार दी। इसके बाद पूरा बाजार बंद हो गया। आतंकियों के जाने के बाद स्थानीय लोगों ने जमीन पर खून से लथपथ पड़े दुकानदार को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत लाया घोषित कर दिया। उसकी पहचान महराजुदीन खान के रूप में हुई है। उसकी रेडीमेड कपड़ों की दुकान थी। पुलिस व सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया, लेकिन देर शाम तक आतंकियों का सुराग नहीं मिला था।

तीन माह में 14 लोगों की हत्या : जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किए जाने से अलगाववादी और आतंकी पूरी तरह हताश हैं और वादी में जबरन बंद लागू कराने के लिए निर्दोष लोगों को निशाना बना रहे हैं। बीते तीन माह के दौरान कश्मीर में आतंकी 14 लोगों की हत्या कर चुके हैं। इनमें दो स्थानीय दुकानदारों के अलावा पांच ट्रक चालक, छह अन्य राज्यों के श्रमिक व एक सेब व्यापारी भी शामिल है।

गांदरबल में आतंकियों की तलाश में अभियान : सुरक्षाबलों ने गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कुल्लन गुंड में छिपे आतंकियों को पकड़ने के लिए बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी तलाशी अभियान जारी रखा। इसी इलाके में गत मंगलवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के रहने वाले लश्कर आतंकी खालिद जिब्रान को मार गिराया था। उसके एक-दो साथी घेराबंदी तोड़ भाग निकले थे। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि वे अभी इसी इलाके छिपे हुए हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। अभियान में खोजी कुत्तों की मदद भी ली जा रही है।

पाकिस्तानी सेना ने अब केरी सेक्टर में दागे मोर्टार

जासं, राजौरी : भारत की करारी जवाबी कार्रवाई के बाद भी पाक अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार सुबह फिर नियंत्रण रेखा पर राजौरी के केरी सेक्टर में भारी गोलाबारी की। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान ने पहले सेना की अग्रिम चौकियों को निशाना बनाकर हल्के हथियारों से गोलीबारी की। जैसे ही भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई शुरू की तो पाकिस्तानी सेना ने रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर मोर्टार दागना शुरू कर दिया। कई मोर्टार गांवों में गिरे, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि गत मंगलवार को भी पाक सेना ने पुंछ के चार सेक्टरों में गोलाबारी की थी। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाक सेना की तीन चौकियां तबाह और तीन जवान भी मारे गए थे।

आजाद तीन दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे

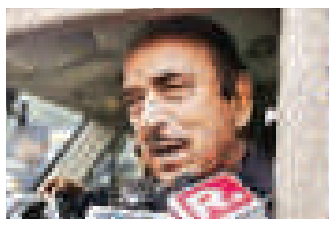

जम्मू हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद। जागरण

राज्य ब्यूरो, जम्मू : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद बुधवार को तीन दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे। इस दौरान वह डोडा व रामबन में अपने रिश्तेदारों, मित्रों व पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे।

आजाद सुबह जम्मू पहुंचे और सीधे रामबन के बटोत के लिए रवाना हो गए। जम्मू हवाई अड्डे के बाहर आजाद ने कहा कि यह उनका सियासी दौरा नहीं है। गर्मियों में वह अपने जिले का दौरा करते हैं। इस बार इजाजत नहीं मिली। सर्वोच्च न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद मैं अपने जिला डोडा जा रहा हूं। उन्होंने सियासी बयानबाजी से परहेज करते हुए डोडा में सड़क हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि डोडा, किश्तवाड़ व रामबन क्षेत्रों में सड़क हादसों में बढ़ोतरी हुई है। लोगों की कीमती जानें गई हैं। सरकार को सड़क हादसे रोकने के लिए व्यापक योजना लानी चाहिए। आजाद दोपहर बाद बटोत पहुंचे जहां लोगों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने अपने कुछ मित्रों और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जम्मू कश्मीर के हालात पर चर्चा की।

कश्मीर में तैयार हो रहे नए सियासी मंच

कुछ माह में दो-तीन नए क्षेत्रीय संगठन आ सकते हैं सामने

राज्य ब्यूरो, जम्मू

केंद्र शासित जम्मू कश्मीर में बदले परिदृश्य में राजनीतिक सूनापन व्याप्त है। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, कांग्रेस और अन्य संगठन चुप बैठे हैं, लेकिन इस राजनीतिक सूनापन को भरने के लिए अगले कुछ माह में दो-तीन नए क्षेत्रीय संगठन सामने आ सकते हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के नाराज नेता कई युवा चेहरों, पंच-सरपंचों और कुछ पत्रकारों के साथ नए सियासी संगठन तैयार करने की कवायद में जुटे हैं। इनमें कई दिल्ली में अपने संपर्क सूत्रों के पास चक्कर काट आए हैं।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद बदला सियासी परिदृश्य : राज्य प्रशासन ने अनुच्छेद 370 हटाने से पहले प्रमुख राजनीतिक नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद स्थानीय राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। स्वायत्तता, स्वशासन, अचीवेबल नेशनहुड, रायशुमारी जैसे नारों की प्रासंगिकता खत्म हो गई। नेकां, पीडीपी, पीपुल्स कांफ्रेंस जैसे संगठनों ने 5 अगस्त से पूर्व की स्थिति के बहाल होने तक कथित तौर पर चुनावी सियासत से दूर रहने का फैसला किया है।

कई दिग्गज नेता केंद्र के संपर्क में : सूत्रों ने बताया कि नेकां, पीडीपी, पीपुल्स कांफ्रेंस और अवामी इत्तेहाद ही नहीं कांग्रेस में भी कई नेता अपने संगठन की नीति से संतुष्ट नहीं हैं। यह लोग केंद्र की कोशिशों का हिस्सा बनना चाहते हैं।

उन्होंने बताया कि इनमें पीडीपी के मुजफ्फर हुसैन बेग, पीडीपी से निष्कासित अल्ताफ बुखारी, नजीर अहमद लावे, पीडीपी के बागी एमएलसी यासिर रेशी, नेशनल कांफ्रेंस के पूर्व विधायक मोहम्मद सईद अखून, पूर्व विधायक जहूर अहमद मीर, पूर्व वित्तमंत्री हसीब द्राबु, नेकां के अब्दुल रहीम राथर, नेशनल कांफ्रेंस के खलील बंड, पीडीएफ के चेयरमैन व पूर्व विधायक हकीम मुहम्मद यासीन, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक पार्टी के गुलाम हसन मीर, कांग्रेस के उस्मान मजीद, पीडीपी नेता अब्दुल हक खान, पीपुल्स कांफ्रेंस के इमरान रजा अंसारी के अलावा श्रीनगर नगर निगम के डिप्टी मेयर शेख इमरान, मुंतजिर मोहिउद्दीन के नाम उल्लेखनीय हैं। श्रीनगर से ताल्लुक रखने वाले दो पत्रकार भी हैं।

नया क्षेत्रीय दल बनाने की संभावना

सूत्रों ने बताया की पीडीपी के पूर्व मंत्री गत दिनों जम्मू आए थे। उन्होंने कांग्रेस, नेकां, भाजपा के अलावा पीडीपी के कई स्थानीय नेताओं से मुलाकात कर नया क्षेत्रीय दल बनाने की संभावना पर मंथन किया। उन्होंने दिल्ली स्थित संपर्क सूत्रों और पुराने मित्रों से भी बैठक की है। उत्तरी कश्मीर से दो युवा चेहरे जो पंचायत व स्थानीय निकाय चुनाव में हिस्सा ले चुके हैं, गत दिनों नई दिल्ली में थे। दोनों ने खास लोगों से बातचीत करते हुए उनकी सलाह ली है। कश्मीर और जम्मू प्रांत के तीन दर्जन से ज्यादा पंच-सरपंच और पूर्व आतंकियों का एक दल नए राजनीतिक मंच की कवायद में जुटा है। ये लोग चाहते हैं कि नया राजनीतिक मंच बने जो जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने, स्थानीय लोगों के हितों के संरक्षण को यकीनी बनाने के नारे के साथ चुनावी सियासत का हिस्सा बने।

फारूक के करीबी अखून भी तलाश रहे संभावना

सूत्रों के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला के करीबियों में रहे हजरतबल के पूर्व विधायक सईद अखून कथित तौर पर कांग्रेस में संभावना तलाश रहे हैं। उनका दामाद शेख इश्फाक जब्बार वर्ष 2014 से पहले कांग्रेस में था। उन्होंने उसे नेकां में शामिल कराया था।

ताकि विधानसभा चुनाव की जमीन हो तैयार

सूत्रों ने बताया कि नई दिल्ली भी चाहती है कि जल्द एक-दो राजनीतिक संगठन जो नेकां, पीडीपी, पीपुल्स कांफ्रेंस का विकल्प बन सकते हों, सामने आएं ताकि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार की जा सके।

नक्सलियों का मास्टर ट्रेनर दीपक केरल में गिरफ्तार

नईदुनिया, जगदलपुर

- बस्तर आइजी ने की पुष्टि, कहा- पूछताछ में मिल सकते हैं अहम सुराग
- छत्तीसगढ़ के कई नक्सलियों को दे चुका है प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ में बस्तर संभाग के जंगलों में नक्सलियों को गुरिल्ला युद्ध का प्रशिक्षण देने वाले मास्टर ट्रेनर दीपक उर्फ चंदू को केरल में गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी तमिलनाडु व केरल एसटीएफ की संयुक्त टीम ने मनचाकंडी क्षेत्र में संचालित नक्सलियों के प्रशिक्षण शिविर से 11 नवंबर को की है।

बस्तर के आइजी सुंदरराज पी. ने मास्टर ट्रेनर और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर दीपक की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दीपक छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के मनकेली गांव का निवासी है। वह काफी समय से नए नक्सलियों को ट्रेनिंग देने का काम कर रहा था। बस्तर में भी उसके विरुद्ध कई प्रकरण दर्ज होने के कारण यहां की पुलिस टीम जल्द ही उसे रिमांड पर लेने के लिए केरल रवाना होगी।

आइजी सुंदरराज ने बताया कि बीते सोमवार के पहले भी एक बार दीपक की घेराबंदी की गई थी, लेकिन वह भाग निकला। एसटीएफ उसकी तलाश में लगी हुई थी। आखिरकर 11 नवंबर को उसे गिरफ्तार करने में सफलता मिल गई। उससे पूछताछ करने से नक्सलियों के संबंध में अहम जानकारी मिल सकती है।

सुकमा में मुठभेड़, एक नक्सली ढेर : उधर, सुकमा जिले के भेज्जी क्षेत्र में बुधवार दोपहर नक्सलियों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में एक वर्दीधारी नक्सली मारा गया। मौके से बंदूक समेत विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। एसपी सुकमा शलभ सिन्हा ने बताया कि भेज्जी थाना क्षेत्र के गच्चनपल्ली जंगल में काफी संख्या में नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी।

इस पर डिस्ट्रक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की दो टुकड़ियां मौके के लिए रवाना की गई थीं। फोर्स के पहुंचते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों की जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली मारा गया। करीब घंटे भर की फायरिंग के बाद नक्सली जंगल में भाग खड़े हुए। मारे गए नक्सली का शव बरामद कर लिया गया है। उसकी शिनाख्त अब तक नहीं की जा सकी है।

सामान्य होता जनजीवन

श्रीनगर में मिनी बस सेवा पूरी तरह बहाल हो चुकी है। दुकानें खुलने से सड़कों पर भीड़ है और शाहर में जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। हालात लगभग सामान्य हो गए हैं। जागरण

पंजाब में पराली नहीं जलाने पर 2500 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- पराली जलाने से रोकने के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम
- पांच एकड़ तक जमीन वाले किसान होंगे हकदार

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब सरकार ने पराली जलाने से रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार पराली न जलाने वाले किसानों को 2500 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देगी। यह राशि सीधे उनके खाते में आएगी। पांच एकड़ तक खेती करने वाले किसान इसके हकदार होंगे। उन्हें 30 नवंबर तक स्व-घोषित पत्र जमा कराना पड़ेगा।

दैनिक जागरण लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रहा था कि यदि सरकार किसानों को मुआवजा दे तो इस समस्या से निजात पाई जा सकती है। किसान तीन हजार मुआवजे की मांग कर रहे थे। हरियाणा सरकार प्रति क्विंटल सौ रुपये मुआवजा दे रही है।

भारतीय किसान यूनियन ने पंजाब सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए हैं। यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा 'सरकार को सुप्रीम कोर्ट में जवाब देना है, इसलिए यह घोषणा की गई है। सरकार की अभी कोई तैयारी नहीं है। किसान किराये पर लेकर फसल बीजता है, उसे मुआवजा नहीं मिलेगा। जिन पर सरकार ने पर्चे दर्ज किए हैं, जुर्माना वसूला है, उसके बारे में सरकार कुछ नहीं बोल रही है। सुप्रीम कोर्ट में किसानों की तरफ से यह मामला भी रखा जाएगा।'

सरकार ने लगाई दो शर्तें: कृषि विभाग के सचिव काहन सिंह पन्नू ने बताया कि मुआवजे का हकदार वही किसान होगा, जिसके पास अपने, पत्नी और 18 साल से कम उम्र के बच्चों के नाम पर कुल पांच एकड़ तक ही जमीन है। उसी किसान को मुआवजा मिलेगा जो इस जमीन या इसके किसी हिस्से में गैर-बासमती धान की खेती करता हो और उसने खेत के किसी भी हिस्से में धान के अवशेष को आग न लगाई हो।

जलाने वालों को सजा भी दे सरकार :

कृषि विशेषज्ञ दविंदर शर्मा का कहना है कि मुआवजे को लेकर सरकार कदम तो उठा रही है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं हैं। जिन किसानों ने पराली नहीं जलाई, उन्हें तो शाबाशी मिल जाएगी, लेकिन जिन्होंने जलाई है, उन्हें केस व जुर्माना झेलना पड़ेगा। निश्चित रूप से पराली न जलाने वाले को प्रोत्साहित करना चाहिए, लेकिन जिन्होंने गलती है की है, उन्हें भी एहसास दिलवाया चाहिए कि वह ऐसी गलती दोबारा न करें।

'वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार के प्रयास अभूतपूर्व'

नई दिल्ली, प्रेट्र : पर्यावरण मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि पिछले दो वर्षों में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार के प्रयास अभूतपूर्व रहे हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं रहे हैं। पर्यावरण सचिव सीके मिश्रा ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि प्रदूषण से निपटना केवल सरकार का ही कर्तव्य नहीं है, बल्कि इसके लिए हर किसी की भूमिका की आवश्यकता है। मिश्रा ने कहा, 'पिछले दो वर्षों में प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार ने असाधारण प्रयास किए हैं, लेकिन परिणाम मामूली रहे हैं। हमें वायु प्रदूषण के वर्तमान स्तर में कम से कम 50 फीसद की कमी की आवश्यकता है।' टेरी द्वारा आयोजित 'वायु प्रदूषण पर सतत संवाद' कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'इसे निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। आपात और भावनात्मक प्रतिक्रिया से मदद नहीं मिलेगी। वायु प्रदूषण कम करने में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका होनी चाहिए।'

एक दूसरे को दोष देने से खत्म नहीं होगा प्रदूषण : जावड़ेकर

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बुधवार को कहा कि पिछले एक पखवाड़े के कुछ दिनों में दिल्ली में 40 फीसद तक प्रदूषण पराली जलाने से हुआ, लेकिन 'एक दूसरे को दोष देने और कोसने से कोई फायदा नहीं होगा।' उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि नई प्रौद्योगिकी से पराली जलाए जाने के खतरे को नियंत्रित किया जा सकेगा और प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी। ऑड-इवेन योजना की अवधि बढ़ाए जाने की खबरों पर जावड़ेकर ने कहा, 'हमने देखा कि ऑड-इवेन योजना के लागू होने के 10 दिनों के भीतर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 600 के साथ-साथ 200 भी पहुंचा। इसलिए मैं इस बात में नहीं जाना चाहता हूं कि ऑड-इवेन योजना का (प्रदूषण) से क्या संबंध है।' दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण घटाने के उद्देश्य से चार नवंबर से 15 नवंबर तक ऑड-इवेन योजना लेकर आई है।

मस्जिद में विस्फोटक रखने वाले युवकों से हाजी ने कहा था-जल्द बड़ा काम होगा

जागरण संवाददाता, कुशीनगर

- 11 नवंबर को कुशीनगर की मस्जिद में हुआ था विस्फोट
- गिरफ्तार मौलाना और पीडब्ल्यूडी से सेवानिवृत्त हाजी ने बुना था ताना-बाना

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के बैरागीपट्टी गांव में स्थित मस्जिद में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रची जा रही थी, लेकिन उससे पहले ही मस्जिद में रखे बारूद से विस्फोट हो गया। सुरक्षा एजेंसियों की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं, फिलहाल पुलिस के आला अफसर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

गिरफ्तार मौलाना अजमुद्दीन उर्फ अजीम ने बताया कि अप्रैल महीने में ही विस्फोटक लाया गया था। इसे मस्जिद में इजहार, आशिक, जावेद व मुन्ना ने रखा था। इससे स्पष्ट हो गया है कि बारूद रखने का ताना-बाना हाजी कुतुबुद्दीन व मौलाना अजमुद्दीन ने बुना। बारूद रखवाते समय मुख्य आरोपित मऊ निवासी हाजी कुतुबुद्दीन ने युवकों से कहा था कि जल्द ही बड़ा काम होने वाला है। हाजी अभी तक फरार है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बारूद स्टोर करने के पीछे की योजना के बारे में अधिकारी कुछ बोलने से बच रहे है। बुधवार को मामले में गिरफ्तार मौलाना अजमुद्दीन उर्फ अजीम, इजहार अंसारी, आशिक अंसारी व जावेद अंसारी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। जांच में पता चला है कि बंगाल निवासी मौलाना अजमुद्दीन पांच वर्ष पूर्व मस्जिद में आया था। उसे छह हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाते थे।

यह है मामला: 11 नवंबर को दोपहर बाद मस्जिद में विस्फोट हुआ था। विस्फोट इतना जोरदार था कि मस्जिद की खिड़की-दरवाजे टूट गए थे। उस समय जांच को पहुंचे एसपी से मौलाना ने इनवर्टर की बैट्री फटने से धमाका होने की बात कही थी। हालांकि विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों की जांच में यह बात सामने आ गयी कि विस्फोट बारूद से हुआ।

आरोपित का पोता सेना में : पीडब्ल्यूडी से लिपिक पद से सेवानिवृत्त कुतुबुद्दीन ने ही मौलाना को मस्जिद की जिम्मेदारी सौंपी थी। कुतुबुद्दीन मस्जिद कमेटी का अध्यक्ष भी है। उसके नाती अशफाक की भूमिका भी संदेह में है। अशफाक व उसकी पत्नी सेना में हैं। दोनों की तैनाती हैदराबाद में है। विस्फोट वाले दिन अशफाक अपने गांव में था। छानबीन में सामने आया कि विस्फोट के बाद अशफाक मौके पर पहुंचा। उसने ही मस्जिद में सफाई करा दी थी। सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं कि क्या बारूद अशफाक के जरिये ही पहुंचा। एसपी विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि मास्टरमाइंड कुतुबुद्दीन की तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं, उसके गिरफ्तार होने के बाद सब कुछ साफ हो जाएगा। घटना के पीछे किसी बड़ी साजिश से इन्कार नहीं किया जा सकता।

लता मंगेशकर की हालत स्थिर

- ब्रीच कैंडी अस्पताल के आइसीयू में वेंटिलेटर पर हैं

मुंबई, प्रेट्र : अस्पताल में भर्ती कराए जाने के दो दिन बाद भी सीने में संक्रमण के कारण स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर आइसीयू में वेंटिलेटर पर हैं। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के सूत्रों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बनी हुई है, लेकिन सुधार हो रहा है। उनके परिवार का कहना है कि उनकी हालत स्थिर और बेहतर है।

बुधवार को अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि लता मंगेशकर का इलाज डॉ. पतित सम्धनी कर रहे हैं। वह अब वेंटिलेटर पर हैं। उनकी हालत गंभीर होने के बावजूद उसमें सुधार हो रहा है। हालांकि सुर साम्राज्ञी की पीआर टीम का कहना है कि उनकी हालत स्थिर है। लता मंगेशकर के परिवार की ओर से जारी बयान के अनुसार लता दी की हालत स्थिर है और वह पहले से काफी बेहतर हैं। हम उनके और अच्छे होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उन्हें जल्दी घर ले जा सकें। लता जी के परिजनों ने उनके लिए प्रार्थना करने पर उनके प्रशंसकों को धन्यवाद दिया और यह भी कहा कि उनकी निजता का ख्याल रखे जाने के लिए भी वह उनके आभारी हैं। उल्लेखनीय है कि विगत सोमवार को 90 वर्षीय गायिका को सांस लेने में तकलीफ होने के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लता मंगेशकर। फाइल

वर्ष 1942 में बतौर प्लेबैक सिंगर अपना कैरियर शुरू करने वाली लता मंगेशकर ने सात दशक के कैरियर में 36 देशी-विदेशी भाषाओं में 50 हजार से अधिक गाने गाए हैं। भारतीय सिनेमा में तो वह अब तक की बेहतरीन गायिका हैं ही, पूरे विश्व में सर्वाधिक गाने रिकार्ड करने के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में दर्ज हो चुका है। उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से वर्ष 2001 में नवाजा गया था। स्वर कोकिला कही जाने वाले लता को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और दादा साहब फाल्के आदि पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है।